इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 27 अगस्त 2026

वर्ष 18 अंक 355 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।

सुभाष चन्द्र बोस

तापमान - अधिकतम 32.1°C (-1.6) न्यूनतम 27.0°C(+1.6) सेंसेक्स 77,472.94 (-183.16) निफ्टी 24,207.75 (-126.80) सोना 1,63,000 चांदी 2,60,000 मुद्रा - डालर 95.41 दिरहम 25.98 रियाल 25.44

एरा विश्वविद्यालय

स्तन कैंसर की पहचान और सटीक रिपोर्टिंग पर मंथन

लखनऊ (सं)। स्तन कैंसर के इलाज में बीमारी की सही पहचान और पैथोलॉजी रिपोर्ट की सटीकता कितनी अहम है, इस पर एरा विश्वविद्यालय में विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग की ओर से 'स्तन कैंसर की जटिलताएं और व्याख्यात्मक पहलू' विषय पर वैज्ञानिक अकादमिक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैथोलॉजिस्ट, सर्जन, ऑन्कोसर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट और स्नातकोत्तर छात्रों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन की अध्यक्षता पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. निरुपमा लाल ने की, जबकि आयोजन प्रो. डॉ. शारिक अहमद के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य स्तन कैंसर की आधुनिक जांच, विशेष रूप से एचईआर-2 रिपोर्टिंग, और उपचार के फैसलों पर इसके प्रभाव को समझना था।

एचईआर-2 की नई श्रेणी पर विशेषज्ञों ने रखी बात

प्रो. निशी टंडन ने 'स्तन कैंसरः एक अवलोकन' विषय पर प्रस्तुति देते हुए बीमारी के पैथोलॉजिकल पहलुओं और मरीज के निदान व उपचार की योजना में पैथोलॉजी की भूमिका पर प्रकाश डाला। रीजेंसी हॉस्पिटल कानपुर की डॉ. दीप्ति गुप्ता ने 'एचईआर-2 अल्ट्रा-लोः स्तन कैंसर उपचार में उभरता क्षेत्र' विषय पर जानकारी दी। उन्होंने एचईआर-2 अल्ट्रा-लो अभिव्यक्ति की बदलती अवधारणा, लक्षित उपचार में इसकी संभावित भूमिका और सटीक जांच व रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में एरा हॉस्पिटल के ऑन्कोलॉजी व रेडियोथेरेपी विभाग के चिकित्सकों ने भी अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने कहा कि स्तन कैंसर के उपचार में पैथोलॉजी और क्लिनिकल टीम के बीच बेहतर समन्वय से मरीजों के लिए उपचार संबंधी निर्णय अधिक प्रभावी बनाए जा सकते हैं। हाल ही में एरा हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजी विभाग शुरू होने के कारण इस आयोजन को विशेष महत्व दिया गया। सम्मेलन के जरिए पैथोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और रेडियोथेरेपी सेवाओं के बीच सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया गया।